

SHRI AEKKA YADAGIRI RAO

Shri Aekka Yadagiri Rao is a Pre-eminent Sculptor of renown. His contribution to modern Sculpture is monumental. He is widely recognised across the country for his pioneering role in establishing modern Sculpture as a viable visual field.

2. Born on July 21, 1938 at Hyderabad. He received his diploma in Sculpture from the Government College of Fine Arts & Architecture, Hyderabad in 1967. He taught modern Sculpture in Jawaharlal Nehru Fine Arts & Architecture University (JNFAU) at Hyderabad for 28 years (1971 - 1999). Shri Rao served several times as External Examiner at Banaras Hindu University.

3. Shri Rao executed several commissioned works of national leaders, Scientists and other celebrities such as Gandhi, Nehru, Ambedkar, Vikram Sarabhai, Brahma Prakash, Durga Bai Deshmukh and Deendayalb Upadhyaya. Telangana Martyrs' Memorial at Gun Park Hyderabad, 'Sentinels' at Sardar Vallabhai Patel National Police Academy, Hyderabad and `Ashwamedha' in metal at Indira Park, Hyderabad distinguish him as a Sculptor with a mark. National Gallery of Modern Art, New Delhi acquired his four monoliths. Similarly, Indian Embassy - Moscow, Salar Jung Museum - Hyderabad, Lalit Kala Academy Chennai, Chitra Kala Parishad - Bangaluru and AP State Lalit Kala Academy - Hyderabad also acquired his works in granite.

4. Shri Rao participated in major Art Exhibitions across the world which include National Scuptors Camp - Bangaluru (1974), III International Triennial - New Delhi (1975), SAARC - International Art Exhibition - Bangaluru (1986) Habitat Foundation - New Delhi (2002), National Sculptors Camp - Chandigarh (2004), National Sculptors Camp - Hyderabad (2012), International Sculptors Symposium - Hyderabad (2012).

5. Shri Rao has received several honors and awards in recognition of his work. In 1975, he was honoured with 'Eminent Sculptor' award at First World Telugu Conference - Hyderabad. The Major Awards he has received include `Hamsa' award, Govt. of Andhra Pradesh (2001), 'Eminent Sculptor' at Detroit, USA (2002), 'Veteran Artist' - AIFACS, New Delhi (2003), PrathibhaPuraskar - Telugu University (2004), Trathibha Rajiv Puraskar, Govt. of AP (2010), T.V. Narasimha Rao Puraskar'- Kalanilayam, Hyderabad (2014), 'Eminent Sculptor' - Govt. of Telangana State (2015).



श्री एक्का यादगिरि राव

श्री एक्का यादगिरि राव एक नामचीन सर्वश्रेष्ठ मूर्तिकार हैं। आधुनिक मूर्तिकला में आपका योगदान बहुत ही विशाल है। आपको व्यापक रूप से आधुनिक मूर्तिकला को व्यवहार्य दृश्य-फील्ड के रूप में स्थापित करने में आपकी अग्रणी भूमिका के लिए पूरे देश में जाना जाता है।

2. आपका जन्म 21 जुलाई, 1938 को हैदराबाद में हुआ। आपने वर्ष 1967 में राजकीय ललित कला एवं वास्तु शिल्प महाविद्यालय, हैदराबाद से मूर्तिकला में डिप्लोमा प्राप्त किया। आपने हैदराबाद स्थित जवाहर लाल नेहरू ललित कला एवं वास्तु शिल्प विश्वविद्यालय में 28 वर्षों तक (1971 से 1999 तक) आधुनिक मूर्तिकला की शिक्षा प्रदान की। आपने कई अवसरों पर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में बाह्य परीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दीं।

3. आपने राष्ट्रीय नेताओं, वैज्ञानिकों तथा अन्य ख्याति प्राप्त व्यक्तियों जैसे- गांधी, नेहरू, अम्बेडकर, विक्रम साराभाई, ब्रह्म प्रकाश, दुर्गाबाई देशमुख तथा दीनदयाल उपाध्याय आदि के अधिकृत कार्यों का निष्पादन किया। गन पार्क हैदराबाद स्थित तेलंगाना शहीद स्मारक, सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में 'प्रहरी' तथा इंदिरा पार्क, हैदराबाद में धातु निर्मित 'अश्वमेध' की कृतियां आपको एक मूर्ति शिल्पकार के रूप में अलग पहचान देती हैं। नेशनल गैलरी ऑफ माडर्न आर्ट, नई दिल्ली ने आपकी चार अखण्ड प्रतिमाओं को अधिगृहीत किया है। इसी प्रकार भारतीय दूतावास – मॉस्को, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद, ललित कला अकादमी चेन्नै, चित्रकला परिषद, बेंगलुरू तथा आंध्र प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, हैदराबाद ने भी आपकी ग्रेनाइट में उकेरी गई कृतियों को अधिगृहीत किया है।

4. आपने पूरे विश्व में बड़ी-बड़ी कला प्रदर्शनियों में हिस्सा लिया जिनमें राष्ट्रीय मूर्तिकार शिविर – बेंगलूरू (1974), III इंटरनेशनल ट्रॉएनियल – नई दिल्ली (1975), सार्क –अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी-बेंगलुरू (1986), हैबिटेट फाउन्डेशन -नई दिल्ली (2002), राष्ट्रीय मूर्तिकार शिविर – चंडीगढ़ (2004), राष्ट्रीय मूर्तिकार शिविर – हैदराबाद (2012), अंतरराष्ट्रीय मूर्तिकार संगोष्ठी – हैदराबाद (2012) शामिल हैं।

5. आपकी मूर्ति शिल्पकला की मान्यता स्वरूप, आपको कई एक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हुए। वर्ष 1975 में, प्रथम विश्व तेलुगु सम्मेलन -हैदराबाद में आपको 'इमिनेंट स्कल्पटर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आपको जिन बड़े पुरस्कारों से नवाज़ा गया उनमें आंध्र प्रदेश सरकार का 'हम्सा' पुरस्कार (2001), डीट्रायट, यू एस ए में 'एमिनेंट स्कल्पटर' (2002), ए आई एफ ए सी एस, नई दिल्ली का 'वेटरन आर्टिस्ट' (2003), तेलुगु विश्वविद्यालय का 'प्रतिभा पुरस्कार' (2004), आंध्र प्रदेश सरकार का राजीव प्रतिभा पुरस्कार, (2010), कलानिलयम, हैदराबाद का टी. वी. नरसिम्हाराव पुरस्कार तथा तेलंगाना राज्य सरकार का 'एमिनेंट स्कल्पटर' पुरस्कार शामिल हैं।